आमोखस व मिडिया की खबरों व प्रथम समाचार पत्र

RNI No. UPHIN/2012/47484

जननायक समाट

उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों अलीगढ़ हाथरस ऐटा कासगंज बदायूं बुलंदशहर मथुरा आदि से प्रसारित व अलीगढ़ से प्रकाशित

बर्ष :13 अंक :452 पृष्ठ –4 दिनांक 14 अप्रेल 2025 दिन सोमवार

पश्चिम बंगाल में वक्फ के नाम पर फैलाई जा रही हिंसा

सीएम योगी ने मुर्शिदाबाद हिंसा को लेकर विपक्ष पर बोला हमला

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने डॉ. भीमराव आंबेडकर सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए कहा, ७३ वर्ष पर पहले राज्यसभा सांसद और उत्तर प्रदेश के पूर्व क्लच्च बृजलाल ने एक पुस्तक लिखी थी। वह पुस्तक बाबा साहब भीमराव अंबेडकर और आजादी के समय 2 महान दलित योद्धाओं के तुलनात्मक अध्ययन पर आधारित थी। एक तरफ बाबा साहब भीमराव अंबेडकर थे और दूसरी तरफ थे योगेंद्र नाथ मंडल... योगेंद्र नाथ मंडल ने पाकिस्तान का समर्थन किया था लेकिन वे एक वर्ष भी वहां नहीं रह पाए थे। योगेंद्र नाथ मंडल के कृत्यों की सजा आज भी बांग्लादेशी हिंदू भुगत रहे हैं। बांग्लादेश में रहने वाले सभी प्रताड़ित और पीड़ित हिंदू दलित हैं। कांग्रेस, सपा और ज्डब में से किसी राजनीतिक दल ने उनके (बांग्लादेशी हिंदू) पक्ष में आवाज नहीं उठाई थी। उनके हक में आवाज केवल भाजपा ने उठाई। हमें प्रत्येक हिंदू की रक्षा करनी है।ष्सीएम ने कहा, ष्... हमें आश्चर्य होता है कि यह (पश्चिम बंगाल) वही राज्य और देश है, जहां वक्फ के नाम पर लाखों एकड़ जमीनों पर जबरन कब्जा किया गया था... अब जब वक्फ संशोधन विधेयक संसद में पारित हुआ है और इस पर कार्रवाई की जा रही है, तो इसके खिलाफ हिंसा भड़काई जा रही है... पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में 3 हिंदुओं की निर्मम हत्या हुई है। उनके घरों से बाहर खींचकर, उनकी हत्या की गई है। ये कौन लोग हैं? ये वहीं दलित, वंचित और गरीब हिंदू हैं, जिन्हें इस जमीन का सर्वाधिक लाभ मिलने वाला है।

20 अप्रैल तक किए जा सकेंगे बेसिक शिक्षकों के तबादले, 30 हजार से अधिक टीचर्स ने किए आवेदन

उत्तर प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों में काम कर रहे शिक्षकों के अंतर्जनपदीय तबादले के लिए आवेदन की अंतिम तिथि को बढ़ाकर अब 20 अप्रैल कर दिया गया है. पहले यह तिथि 11 अप्रैल निर्धारित थी, लेकिन कुछ दिक्कतों और शिक्षक संगठनों की मांग के चलते शासन ने इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया है. अब तक लगभग 30 हजार शिक्षक तबादले के लिए आवेदन कर चुके हैं.दरअसल, कई जिलों में एक जिले से दूसरे जिले में तबा. दले के लिए आवेदन प्रक्रिया समय पर शुरू नहीं हो पाई थी. वहीं जिन जिलों में आवेदन शुरू हुए, वहां भी पोर्टल पर तकनीकी समस्याओं के चलते शिक्षकों को परेशानी का सामना करना पड़ा. इस कारण शिक्षकों को अपने पंजीकरण में संशोधन करने का एक और अवसर दिया गया है. वे अपने डाटा में कार्यरत स्कूल, पदनाम, मोबाइल नंबर, विषय आदि में बदलाव कर सकते हैं.बेसिक शिक्षा विभाग के अनुसार, बीएसए कार्यालय में अपनी आपत्तियां 15 अप्रैल तक प्रस्तुत की जाएंगी, इसके आधार पर बीएसए अपनी लॉगिन से डाटा 17 अप्रैल तक सुधारेंगे. जबकि परस्पर तबादले के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन 20 अप्रैल तक हो सकेगा और आवेदन की हार्डकॉपी संबंधित बीएसए कार्यालय में 21 अप्रैल तक जमा की जा सकेगी.

प्रदेश में 14 मौतों के बाद 13 अप्रैल से थमेगी मौसम की उथल–पुथल

उत्तर प्रदेश में पश्चिमी विक्षोभ के असर से शुक्रवार देर रात से शनिवार सुबह के बीच प्रदेश के कई जिलों में आंधी–बारिश ने कहर बरपाया। इस बीच हुए हादसों में 14 लोगों की मौत हो गई। शनिवार को भी लखनऊ, बाराबंकी, गोंडा, बलरामपुर सहित कई इलाकों में तेज हवाओं के साथ बूंदाबादी हुई। रविवार से मौसम साफ रहने और सोमवार से पारा चढ़ने के आसार हैं।शुक्रवार देर रात प्रदेश के पश्चिम से लेकर पूर्वी– तराई इलाकों में गरज–चमक और तेज हवाओं संग बारिश हुई। कानपुर व आसपास आंधी में पेड़ और दीवार गिरने से मलबे में दबकर छह लोगों की मौत हो गई। इनमें तीन लोगों की मौत हरदोई में जबकि एक–एक व्यक्ति की मौत कन्नौज, फर्रुखाबाद और कानपुर में हुई है। देवबंद में एक कच्चे मकान की छत ढह गई। मलबे में दबकर एक किशोर की मौत हो गई। बदायूं में शुक्रवार देर रात तेज आंधी व बारिश में पेड़ गिरने से युवक की मौत हो गई। फिरोजाबाद में भी आंधी ने शुक्रवार रात खूब तबाही मचाई। कई जगह पेड़, दीवार और बिजली के खंभे गिरे। इनके नीचे दबकर अलग–अलग जगह महिला समेत चार लोगों की मौत हो गई। शिकोहाबाद–फर्रुखाबाद रेलवे ट्रैक बाधितकासगंज में गिरे पेड़ के नीचे दबने से एक चौकीदार की मौत हो गई। वहीं, एक परिवार के बाइक सवार पांच सदस्य घायल हो गए। वहीं, शनिवार को महरा. जगांज में बिजली गिरने से वृद्धा की मौत हो गई। मैनपुरी में आंधी की वजह से रेलवे ट्रैक पर पेड़ टूट कर गिरने से पैसेंजर और एक्सप्रेस ट्रेनें प्रभावित हो गईं। शिक. ोहाबाद–फर्रुखाबाद रेलवे ट्रैक भी बाधित हो गया।आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि रविवार से पूर्वी–तराई के कुछ हिस्सों को छोड़कर प्रदेश में मौसम के साफ रहने की उम्मीद है। सोमवार से तापमान में बढ़ोतरी होगी।फसलों को नुकसानआंधी–बारिश से फसलों को नुकसान हुआ है। ओलावृष्टि से किसान परेशान दिखे। शाहजहांपुर में शुक्रवार देर रात आई आंधी और पानी से गेहूं, मक्का और आम की फसल को नुकसान हुआ है। खुदागंज में तेज हवाओं के कारण आग लग गई और करीब डेढ़ सौ बीघा गेहूं की फसल राख हो गई। खलिहान में पड़ा गेहूं और भूसा भीगने से खराब हो गया।

यूपी में 150 बीघा गेहूं की फसल जलकर राख, खेत में फूट–फूट कर रोया किसान

उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले में एक किसान की मेहनत पर उस वक्त पानी फिर गया जब उसकी डेढ़ सौ बीघा गेहूं की फसल तेज आंधी के कारण लगी आग से जलकर राख हो गई. यह हृदयविदारक घटना खुदागंज क्षेत्र की है, जहां आग लगने के बाद किसान खेत में फूट–फूट कर रोने लगा. किसान का यह दर्दनाक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिसने लोगों को भावुक कर दिया. बताया जा रहा है कि रविवार रात को तेज आंधी और हवा के झोंकों के चलते खेतों में आग लग गई. किसान अपनी फसल को काटने की तैयारी में था, लेकिन उससे पहले ही अचानक आग ने पूरे खेत को चपेट में ले लिया. जब तक आसपास के लोग या फायर ब्रिगेड की मदद मिलती, तब तक लगभग 150 बीघा गेहूं की फसल जलकर पूरी तरह राख हो चुकी थी.घटना की सूचना मिलते ही आसपास के गांवों के लोग मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी. वीडियो में देखा जा सकता है कि किसान सिर पकड़े रो रहा है और उसकी आंखों में बेबसी साफ झलक रही है. वह बार–बार अपनी जल चुकी फसल की ओर देखकर जमीन पर गिर पड़ता है. गांव के लोग उसे संभालने की कोशिश करते हैं, लेकिन वह खुद को रोक नहीं पाता.गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश में हर साल गर्मियों के दौरान फसल जलने की घटनाएं सामने आती हैं. अक्सर तेज हवा और लापरवाही के चलते खेतों में आग लग जाती है. सरकार द्वारा ऐसी घटनाओं में किसानों को कुछ मुआवजा तो दिया जाता है, लेकिन यह उनकी पूरी मेहनत और नुकसान की भरपाई नहीं कर पाता. स्थानीय प्रशासन का कहना है कि मौके पर लेखपाल व तहसील प्रशासन को भेजा गया है और नुकसान का आकलन किया जा रहा है. किसान को शासन की योजनाओं के तहत आर्थिक सहायता देने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है. इस घटना ने एक बार फिर दिखा दिया है कि प्राकृतिक आपदा या अचानक हुई घटनाओं का सबसे बड़ा शिकार किसान ही होता है, जिसकी मेहनत पलक झपकते ही राख हो जाती है. सरकार और समाज को मिलकर किसानों के दर्द को समझने और उनके साथ खड़े होने की जरूरत है.

अनोखा 'ताड़का वध', हाथी ने पैरों से कुचलकर किया प्रतीकात्मक वध, हजारों की संख्या में आए भक्त

बुंदेलखंड की धरती पर आस्था और परंपरा का अद्भुत संगम देखने को मिला जब झांसी जनपद के मऊरानीपुर तहसील स्थित ग्राम भदरवारा में चैत्र नवरात्रि के अवसर पर आयोजित ऐतिहासिक 'ताड़का वध' मेले में हजारों की संख्या में लोग जुटे. मावली माता मंदिर प्रांगण में हर साल नवमी तिथि से लेकर पूर्णिमा तक चलने वाले इस विशेष मेले का मुख्य आकर्षण रहा. विशालकाय ताड़का का प्रतीकात्मक वध, जो एक सजीव हाथी के माध्यम से कराया गया.शनिवार की शाम ताड़का रूपी पुतले को मंदिर परिसर में युवाओं ने कंधों पर उठा कर पूरे मैदान में घुमाया और फिर हाथी से उसे प्रतीकात्मक रूप से कुचलवाया गया. इसके बाद ताड़का का दहन किया गया, जिसे देखने के लिए दूर–दूर से हजारों श्रद्धालु पहुंचे. इस पूरे आयोजन में बैंड–बाजे, डीजे और धार्मिक जयकारों की गूंज ने वातावरण को पूरी तरह भक्तिमय बना दिया.मंदिर के पुजारी विजय तिवारी ने बताया कि यह परंपरा कई वर्षों से चली आ रही है और बुंदेलखंड के धार्मिक व सांस्कृतिक इतिहास में इसका विशेष स्थान है. ताड़का का प्रतीकात्मक वध रावण वध की ही तरह एक दैत्यानी का अंत दर्शाता है, जो असत्य, अधर्म और अज्ञानता का प्रतीक मानी जाती है.ग्राम प्रधान शिवा जी ने बताया कि यह आयोजन गांव की एकजुटता और सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक है. न सिर्फ गांव के लोग, बल्कि आस–पास के गांवों से भी लोग यहां शामिल होते हैं और इस परंपरा को आगे बढ़ाने में सहयोग करते हैं.धार्मिक ग्रंथों के अनुसार ताड़का एक राक्षसी थी, जिसे भगवान राम ने अपने वनवास काल के दौरान मारा था. उसी पौराणिक घटना को प्रतीकात्मक रूप से इस मेले में दो. हराया जाता है. बुंदेलखंड क्षेत्र में इस आयोजन को एक विशिष्ट धार्मिक उत्सव के रूप में देखा जाता है, जहां आसुरी शक्तियों पर दिव्य विजय का संदेश दिया जाता है.भदरवारा गांव का यह 'ताड़का वध' उत्सव सिर्फ एक परंपरा नहीं, बल्कि सांस्कृतिक विरासत का ऐसा पर्व बन चुका है जो लोगों को जोड़ता है, धार्मिक भावना को बल देता है और बुंदेलखंड की संस्कृति को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने का कार्य करता है.

प्रयागराज में दलित की हत्या और बाबा साहेब की प्रतिमा के अपमान पर भड़कीं मायावती

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने प्रयागराज के करछना इलाके में एक दलित युवक की निर्मम हत्या और संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के अपमान की घटनाओं पर गहरी नाराजगी जताई है. उन्होंने राज्य सरकार से इन मामलों में सख्त कार्रवाई की मांग की है.मायावती ने सोशल मीडिया पर एक के बाद एक दो ट्वीट कर प्रदेश में बढ़ती जातीय हिंसा और सामाजिक तनाव को लेकर चिंता जाहिर की. उन्होंने लिखा, "उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले के करछना क्षेत्र में सामंती तत्वों द्वारा एक दलित की नृशंस हत्या की घटना अत्यंत दुःखद व चिन्ताजनक है. प्रदेश में बेलगाम आपराधिक, असामाजिक व सामंती तत्वों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई कर कानून का राज स्थापित करना सरकार की जिम्मेदारी है."उन्होंने अपने दूसरे ट्वीट में बाबा साहेब की प्रतिमा को नुकसान पहुँचाने वालों पर सख्ती की बात करते हुए लिखा, "इसके साथ ही संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की मूर्ति के अपमान की घटनाओं को भी सरकार को गंभीरता से लेना चाहिए और समाज में तनाव व हिंसा फैलाने वाले ऐसे अपराधियों पर सख्त कार्रवाई करनी चाहिए ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके. "गौरतलब है कि डॉ. भीमराव अंबेडकर की मूर्तियों को नुकसान पहुंचाने की घटनाएं उत्तर प्रदेश के कई जिलों से अक्सर सामने आती रही हैं, जिनसे दलित समाज में भारी आक्रोश पैदा होता है. बाबा साहेब अंबेडकर न सिर्फ संविधान निर्माता थे, बल्कि उन्होंने दलितों और पिछड़ों को सामाजिक न्याय दिलाने के लिए जीवन भर संघर्ष किया. उत्तर प्रदेश में मायावती, जो खुद दलित समाज की सबसे प्रमुख राजनीतिक आवाज मानी जाती हैं, ऐसे मामलों को बेहद गंभीरता से उठाती रही हैं. उन्होंने हमेशा मांग की है कि सरकार जातिगत हिंसा और सामाजिक भेदभाव की घटनाओं पर कड़ी कार्रवाई करे और दोषियों को सख्त सजा दिलाए. बसपा प्रमुख की इस प्रतिक्रिया के बाद यह देखना होगा कि प्रदेश सरकार करछना की घटना और मूर्ति अपमान के मामलों में क्या कदम उठाती है. फिलहाल इन मामलों को लेकर दलित संगठनों और सामाजिक कार्यकर्ताओं में नाराजगी का माहौल बताया जा रहा है.

उत्तराखंड में महंगाई के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन, . सरकार पर वादाखिलाफी का लगाया आरोप

घरेलू गैस सिलेंडर, डीजल, पेट्रोल और बिजली के बढ़ते दामों को लेकर आम जनता की परेशानी के बीच उत्तराखंड में कांग्रेस ने प्रदेश नेतृत्व के आवाहन पर राज्य और केंद्र सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया. रविवार को पूर्व विधायक रंजीत रावत के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने रानीखेत रोड पर केंद्र व राज्य सरकार की नीतियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और सरकार का पुतला दहन कर विरोध जताया.इस दौरान पूर्व विधायक रंजीत रावत ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार आम जनता के मूल मुद्दों से ध्यान भटकाने का प्रयास कर रही है. उन्होंने कहा कि चुनावों से पहले जनता से बड़े–बड़े वादे किए गए थे, जिनमें हर साल दो करोड़ रोजगार देने, हर परिवार के खाते में 15 लाख रुपये डालने और किसानों की आय दोगुनी करने जैसे वादे शामिल थे, लेकिन सत्ता में आने के बाद एक भी वादा पूरा नहीं किया गया. उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार केवल प्रचार और दिखावे में लगी है, जबकि आम जनता महंगाई और बेरोजगारी से त्रस्त है.पूर्व विधायक रावत ने कहा कि देश की जनता अब समझ चुकी है कि यह सरकार केवल झूठे वादों और भावनात्मक मुद्दों के सहारे सत्ता में बनी रहना चाहती है. उन्होंने कहा कि आज महंगाई चरम पर है, रसोई गैस, पेट्रोल, डीजल और बिजली की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं, जिससे मध्यमवर्गीय और निम्नवर्गीय परिवारों का बजट पूरी तरह से बिगड़ चुका है.प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सरकार पर जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया और कहा कि बीजेपी सरकार अब धार्मिक और सांप्रदायिक मुद्दों को उछालकर लोगों को आपस में लड़ाने का प्रयास कर रही है. प्रदर्शनकारियों का कहना था कि सरकार की नीतियां आम जनता के हित में नहीं हैं और अब देश को एक नई दिशा देने की जरूरत है.नैतिकता के आधार पर इस्तीफा दे देना चाहिएकांग्रेस जनों ने कहा कि यह सरकार महंगाई पर नियंत्रण पाने में पूरी तरह असफल रही है और अब इससे नैतिकता के आधार पर इस्तीफा दे देना चाहिए. उन्होंने कहा कि आम जनता के मुद्दों को दरकिनार कर केंद्र व राज्य की बीजेपी सरकार केवल अपनी छवि चमकाने में लगी है, जबकि धरातल पर हालात दिन–ब–दिन खराब होते जा रहे हैं.

प्रदर्शन में शामिल लोगों ने जोर देकर कहा कि कांग्रेस हमेशा आम जनता की आवाज उठाती रही है और आगे भी सड़क से लेकर सदन तक जनता के हितों की लड़ाई लड़ी जाएगी. इस दौरान स्थानीय कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने एकजुट होकर रानीखेत रोड पर बीजेपी सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और पुतला दहन कर अपनी नाराजगी जाहिर की.कांग्रेस ने दी उग्र आंदोलन की चेतावनी प्रदर्शन शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ लेकिन कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि महंगाई पर अंकुश नहीं लगाया गया और जनता की समस्याओं को दूर करने के लिए ठोस कदम नहीं उठाए गए तो पार्टी आगे और उग्र आंदोलन करेगी. उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है

हाथरस में बैसाखी पर्व की धूम शबद कीर्तन और अरदास के साथ मनाया गया त्योहार, गुरुद्वारे में हुआ मुख्य कार्यक्रम

हाथरस में आज विभिन्न स्थानों पर राणा सांगा की जयंती धूमधाम से मनाई गई। चंदपा क्षेत्र के गांव परसारा में क्षत्रिय समाज के लोगों ने इकट्ठे होकर केक काटा और राणा सांगा अमर रहे के नारे लगाए।कार्यक्रम में क्षत्रिय महासभा के जिलाध्यक्ष ठाकुर प्रहलाद सिंह समेत कई गणमान्य लोग शामिल हुए। इनमें जिला मंत्री मनोज सिंह सिसोदिया, हरेंद्र सिंह भिलोखरी, वीरी सिंह, कालू सिंह सिसोदिया, डॉ हरी सिंह प्रमुख थे। समारोह में उपस्थित लोगों ने कहा कि राणा सांगा का अपमान किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।खुफिया तंत्र सुबह से ही रहा अलर्ट... उन्होंने याद दिलाया कि

राणा सांगा ने सनातन धर्म की रक्षा के लिए अनेक युद्ध लड़े। इस मौके पर राणा सांगा के जीवन पर लोगों ने प्रकाश डाला। इधर, करणी सेना के आह्वान पर बड़ी संख्या में लोग आगरा भी गए। वहां करणी सेना द्वारा राणा सांगा की जयंती पर विशाल कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। सुरक्षा की दृष्टि से खुफिया तंत्र सुबह से ही अलर्ट मोड में रहा।

हाथरस के सिकंद्राराऊ कोतवाली क्षेत्र के गांव पोरा में एक घटना सामने आई

हाथरस के सिकंद्राराऊ कोतवाली क्षेत्र के गांव पोरा में एक घटना सामने आई है। यहां के निवासी दो भाई देव माहेश्वरी और सोनू माहेश्वरी हनुमान जन्मोत्सव के कार्यक्रम में प्रसादी लेने जा रहे थे। इस दौरान पहले से घात लगाए बैठे दबंगों ने उन पर हमला कर दिया।आरोपियों ने दोनों भाइयों पर लाठी–डंडों और धारदार हथियारों से वार किया। हमले में दोनों भाई गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुंचे परिजन और ग्रामीण घायलों को तुरंत अस्पताल ले गए।पुलिस जांच में जुटी डॉक्टरों ने दोनों का प्राथमिक उपचार किया। देव माहेश्वरी की हालत अधिक गंभीर होने के कारण उन्हें बेहतर इलाज के लिए आगरा रेफर कर दिया गया है। परिजनों ने इस मामले में पुलिस को शिकायती पत्र सौंप दिया है। इसमें कुछ लोगों को आरोपित किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

हाथरस में मानसिक रूप से अस्वस्थ महिला की हत्या

हाथरस में एक घटना सामने आई है। कोतवाली हाथरस गेट क्षेत्र के गांव दयानतपुर निवासी 50 वर्षीय रचना पत्नी संजय का शव अलीगढ़ रोड स्थित सूखी नहर में मिला है। संजय खेती–बाड़ी करते हैं। मृतका के गले में फंदा लगा था और प्रथम दृष्टया गला घोंटकर हत्या किए जाने की आशंका है।रचना मानसिक रूप से अस्वस्थ थी और उनके दो बच्चे हैं। वह रोजाना की तरह सुबह घर से निकलती थीं और शाम को लौट आती थीं। कल रात वह घर नहीं लौटीं। आज सुबह कुछ लोगों ने नहर में पुल के नीचे उसका शव देखा। रचना का घर भी अलीगढ़ रोड पर ही नहर से थोड़ा सा आगे एक गेस्ट हाउस के पास है। सूचना मिलते ही मौके पर भीड़ जमा हो गई।अधिकारियों ने किया घटनास्थल का निरीक्षण अपर पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार और सीओ सिटी योगेंद्र कृष्ण नारायण पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। मृतका के पति संजय कुमार और अन्य परिजन भी मौके पर आ गए। पुलिस ने मौके का निरीक्षण किया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले की जांच जारी है। आखिर इस महिला की हत्या किसने और क्योंकी पुलिस इसका पता लग रही है। फोरेंसिक टीम ने भी जांच पड़ताल की।

हाथरस में वाहन ने राहगीर को कुचला 55 वर्षीय व्यक्ति की मौके पर मौत, तीन बच्चे हुए अनाथ

हाथरस के हसायन कोतवाली क्षेत्र में एक सड़क हादसा हुआ। भैकुरी चौराहे पर एक अज्ञात वाहन ने पैदल जा रहे राहगीर को कुचल दिया। हादसे में नगला डाडा निवासी 55 वर्षीय केशव देव की मौके पर ही मौत हो गई।केशव देव सब्जी खरीदने के लिए घर से निकले थे। वे चुन्नीलाल के पुत्र थे। हसायन कोतवाली क्षेत्र में भैंकुरी चौराहे पर अज्ञात वाहन ने उन्हें रौंद दिया। मौके पर लोगों की भीड़ एकत्रित हो गई। घटना की सूचना मिलते ही इलाका पुलिस मौके पर पहुंच गई। घटनास्थल पर स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई।पुलिस ने शव पोस्टमॉर्टम को भेजा पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। केशव देव के परिवार में अन्य परिजनों के अलावा तीन बच्चे हैं। उनकी अचानक मौत से परिवार में कोहराम मच गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

हाथरस में डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती की तैयारियां शुरू हो गई

हाथरस में डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती की तैयारियां शुरू हो गई हैं। जिलाधिकारी राहुल पांडेय ने इस संबंध में विशेष निर्देश जारी किए हैं।जनपद के सभी नगर पालिका और नगर पंचायत क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत आंबेडकर पार्क, प्रमुख चौराहे और सार्वजनिक स्थलों की साफ–सफाई की जा रही है। विभिन्न राजनीतिक व सामाजिक संगठन बाबा साहेब डॉ. अंबेडकर की जयंती मनाएंगे। जिलाधिकारी ने सभी कार्यक्रम स्थलों पर साफ–सफाई, सजावट और प्रकाश व्यवस्था समय से पूरी करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि इस दौरान आम जनता को किसी तरह की असुविधा नहीं होनी चाहिए।28 अप्रैल तक चलेंगे कार्यक्रम स्वतंत्रता के अमृत काल में भारत रत्न बाबा साहब की जयंती पर विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। ये कार्यक्रम 14 अप्रैल से 28 अप्रैल 2025 तक चलेंगे। सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को इन कार्यक्रमों की रिपोर्ट शासन को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं।

ओलावृष्टि और आंधी से डेढ़ सौ बिजली के खंभे टूटे सादाबाद में मौसम की मार, खड़ी फसलों को भारी नुकसान

सादाबाद क्षेत्र में लगातार तीसरे दिन मौसम ने किसानों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। रात में हुई ओलावृष्टि और तेज आंधी से खड़ी फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है।तूफान की वजह से क्षेत्र में डेढ़ सौ से अधिक बिजली के खंभे टूट गए। विद्युत विभाग को करीब 15 लाख रुपए का नुकसान हुआ है। अधिशासी अभियंता अमित कुमार ने बताया कि शाम तक अधिकांश गांवों में बिजली आपूर्ति बहाल करने का प्रयास किया जाएगा। बाकी गांवों में सोमवार तक बिजली सुचारू कर दी जाएगी।ग्राम पंचायत गुतहरा के नगला बंजारा में एक परिवार की टीनशेड तेज हवाओं से उड़कर गिर गई। इस हादसे में एक बच्चा घायल हो गया। अन्य गांवों में भी नुकसान होने की सूचना है।किसान अब सरकार से मदद की गुहार लगा रहे हैं। उनकी चिंता अब भी बनी हुई है कि कहीं मौसम फिर खराब न हो जाए। किसानों की प्रार्थना है कि अगले 8 दिनों तक बारिश न हो, जिससे वे गेहूं की कटी और खड़ी फसल को सुरक्षित घर में रख सकें। यह फसल उनके परिवार के लिए साल भर का खर्च चलाने का आधार है।

सासनी में 3 PHC पर 177 मरीजों की जांच खांसी–सर्दी . और बुखार के अधिक मामले, डॉक्टरों ने दी सलाह

सासनी में रविवार को तीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। इस दौरान कुल 177 मरीजों की जांच की गई।पीएचसी टिकारी में डॉ. अनंत ने 49 मरीजों का उपचार किया। उन्होंने बताया कि अस्पताल में पर्याप्त दवाएं उपलब्ध हैं।मरीजों को बाहर से दवा खरीदने की आवश्यकता नहीं है। यहां सबसे ज्यादा खांसी–सर्दी के मरीज मिले। साथ ही 13 मरीजों में बुखार की शिकायत पाई गई।पीएचसी कौमरी में डॉ. आनंद माहौर ने 72 मरीजों की जांच की। उन्होंने बताया कि पिछले कुछ दिनों से तीन मरीजों को खांसी की शिकायत थी। इन मरीजों के बलगम और रक्त की जांच कराकर दवाएं दी गईं। यहां 9 मरीजों में बुखार के लक्षण पाए गए।पीएचसी सलेमपुर में डॉ. नीलम ने 56 मरीजों की स्वास्थ्य जांच कर दवाएं वितरित कीं। इनमें से पांच मरीजों को बुखार था।

अलीगढ़ में कुत्तों का आतंक, तीन महीने में 72 हजार पर हमले, एक मासूम की मौत

अलीगढ़ शहर में आवारा कुत्तों का आतंक लगातार बढ़ रहा है। नगर निगम के आंकड़ों के मुताबिक, शहर में करीब 60 हजार आवारा कुत्ते हैं। बीते तीन महीनों में 72 हजार से अधिक लोगों पर कुत्तों ने हमला किया, जिनमें से सभी को जिला अस्पताल में एंटी रैबीज वैक्सीन लगाई गई। छर्रा के नगला नत्थू गांव में कुत्ते के काटने से तीन वर्षीय अंशु की मौत हो गई। परिवार ने वैक्सीन की समय पर डोज न दिलाने की बात स्वीकार की है। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग ने गांव में रैबीज टीकाकरण के लिए विशेष शिविर लगाया। मलखान सिंह जिला अस्पताल, दीन दयाल अस्पताल और जिले के अन्य स्वास्थ्य केंद्रों पर हर दिन सैकड़ों लोगों को एंटी रैबीज इंजेक्शन लगाए जा रहे हैं। नगर निगम ने कुत्तों की संख्या नियंत्रित करने के लिए एक निजी कंपनी को ठेका दिया है, जो जीवनगढ़ केंद्र में बांध्यकरण के बाद कुत्तों को वहीं छोड़ देती है, जहां से पकड़ा गया था।

अलीगढ़ बाइक का हॉर्न बजाने पर दो पक्षों में हिंसक झड़प, 12 नामजद पर केस दर्ज

अलीगढ़ : बाइक का हॉर्न बजाने पर दो थाना हरदुआगंज क्षेत्र के बुढ़ासी गांव में 11 अप्रैल की दोपहर बाइक का हॉर्न बजाने को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया, जो देखते ही देखते लाठी–डंडों की झड़प में बदल गया। एक पक्ष की ओर से 12 लोगों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। पीड़ित इरशाद का आरोप है कि मोहल्ले के तीन युवकों ने पहले उसे पीटा, फिर उनके अन्य साथियों ने घर आकर पूरे परिवार को लाठी–डंडों और सरियों से घायल कर दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।पक्षों में हिंसक झड़प, 12 नामजद पर केस दर्ज

मंडलायुक्त अपर मंडलायुक्त व नगर आयुक्त की मौजूदगी में अम्बेडकर पार्क से शुरू हुआ 15 दिवसीय अभियान

अलीगढ़ गांधी पार्क के पास बना नगर निगम का पहला अस्थाई कूलिंग पॉइंट–मंडलायुक्त व नगर आयुक्त ने किया शुभारंभ महापौर का वादा भीषण गर्मी में राहत उपलब्ध कराने के लिए नगर निगम कोई कोर कसर नही छोड़ेगा–कूलिंग पॉइंट इस दिशा में पहला कदमजल्द अन्य स्थानों पर बनेगे कूलिंग पॉइंट व जल्द संचालित होंगे तीन स्थाई ग्रीष्मकालीन शेल्टर होम रात्रि विश्राम के लिए होंगे संच. ।लितरू–नगर आयुक्त विनोद कुमारउत्तर प्रदेश शासन के निर्देशों के क्रम में भारत रत्न बाबा भीमराव अंबेडकर जयंती से एक दिन पूर्व शासन द्वारा सभी महापुरुषों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण साफ सफाई व जगरूकता का विशेष अभियान चलाए जाने के दिशा निर्देश दिए गए थे। शासन के निर्देशों के अनुपालन में अलीगढ़ मंडलायुक्त संगीता सिंह अपर मंडलायुक्त अरुण कुमार सिंह नगर आयुक्त विनोद कुमार की अग. ुवाई में नगर निगम ने स्टेट बैंक चौराहे पर स्थित बाबा भीमराव अंबेडकर पार्क से इस अभियान का शुभारंभ किया अभियान के क्रम में प्रशासनिक अधिकारियों ने पार्क समिति के साथ भारत बाबा भीमराव अंब. `डकर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया तो वही नगर निगम ने पार्क में नई स्टील की रेलिंग प्लेटफार्म बनवाया साथ ही साथ पार्क में सांकेतिक रूप से शासन के निर्देशों के अनुपालन में 15 दिवसीय विशेष जागरूकता अभियान का शुभारंभ भी हुआ।

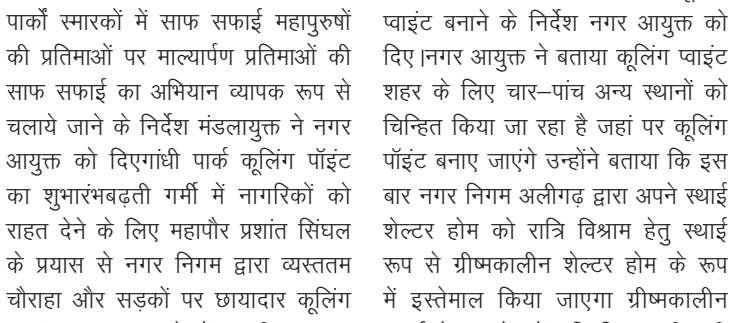

इस अभियान के तहत नगरीय क्षेत्र के पार्कों स्मारकों में साफ सफाई महापुरुषों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण प्रतिमाओं की साफ सफाई का अभियान व्यापक रूप से चलाये जाने के निर्देश मंडलायुक्त ने नगर आयुक्त को दिएगांधी पार्क कूलिंग पॉइंट का शुभारंभबढ़ती गर्मी में नागरिकों को राहत देने के लिए महापौर प्रशांत सिंघल के प्रयास से नगर निगम द्वारा व्यस्ततम चौराहा और सड़कों पर छायादार कूलिंग प्वाइंट बनाए जा रहे हैं। अलीगढ़ नगर निगम द्वारा अस्थाई रूप से गांधी पार्क के समीप पहले कूलिंग प्वाइंट तैयार कराया गया जहां पर गर्मी में राहत के लिए कूलर कुर्सी घड़े का ठंडा पानी और पूरे बैठने के इंतजाम नगर निगम द्वारा कूलिंग पॉइंट में कराए गए हैं। मंडलायुक्त संगीता सिंह और नगर आयुक्त विनोद कुमार ने संयुक्त रूप से पहले कॉलिंग पॉइंट का शुभारंभ किया। शुभारंभ के अवसर पर मंडल आयुक्त ने इससे अभिनव प्रयास बताया और इस प्रयास को पूरी शिद्दत के साथ शहर के कई अन्य चौराहा पर भी कूलिंग प्वाइंट बनाने के निर्देश नगर आयुक्त को दिए।नगर आयुक्त ने बताया कूलिंग प्वाइंट शहर के लिए चार–पांच अन्य स्थानों को चिन्हित किया जा रहा है जहां पर कूलिंग पॉइंट बनाए जाएंगे उन्होंने बताया कि इस बार नगर निगम अलीगढ़ द्वारा अपने स्थाई शेल्टर होम को रात्रि विश्राम हेतु स्थाई रूप से ग्रीष्मकालीन शेल्टर होम के रूप में इस्तेमाल किया जाएगा ग्रीष्मकालीन स्थाई शेल्टर होम में रात्रि विश्राम की सभी सुख सुविधा उपलब्ध रहेगीग्रीष्मकालीन 3 स्थाई शेल्टर होम भुजपुरा गांधी पार्क गूलर रोड पर संचालित होंगे चौराहों पर रेड लाइट पॉइंट के समीप छाया के लिए ग्रीन नेट पिछले साल की भांति लगाया जाएगा।इस अवसर पर सहायक नगर आयुक्त वीर सिंह नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर मुकेश कुमार पशु कल्याण अधिकारी डॉक्टर राजेश वर्मा नाजिर संजय सक्सेना मीडिया सहायक अहसान रब स्टेनो कौशल साथ थे।

अलीगढ़। जयगंज स्थित पुरा प्राचीन सिद्धपीठ मंदिर श्री मंगलेश्वर महादेव पर हनुमान जन्मोत्सव पर भव्य सुंदर कांड पाठ के साथ विशाल भंडारे का आयोजन हुआ।विशेष रूप से हनुमान जी का स्वर्ण पत्र से श्रृंगार किया गया। शनिवार को हनुमान बाबा को चोला चढ़ाने के बाद मंदिर श्री मंगलेश्वर महादेव जयगंज (समिति) हरिगढ़ के सेवादारों ने भगवान भोले नाथ, सीता राम, भैरव नाथ आदि का पूजन उपरांत भोग लगाया। कन्या लांगरा को जिमाने के बाद विशाल भंडारे का आयोजन हुआ। आयोजन में आचार्य महेश उपाध्याय,अशोक माहेश्वरी, पंकज धीरज, उमेश गौतम,देवांश पंडित, अंकित वार्ष्णेय,राहुल पंडित,ऋषि गुप्ता,राजा शर्मा,उमंग माहेश्वरी,कार्तिकेय गौतम,डॉ संजीव उपमन्यु,रजत वार्ष्णेय, आदि व्यवस्थाओं में जुटे रहे।

फिजिकल होने के लिए लगातार प्रेशर बना रहा है पार्टनर?

किसी भी रिश्ते की बुनियाद आपसी समझ, भरोसे और सहमति पर टिकी होती है. अगर आपका पार्टनर बार–बार फिजिकल होने के लिए दबाव बना रहा है और आपकी भावनाओं या कम्फर्ट का सम्मान नहीं कर रहा, तो यह एक रेड फ्लैग है यानि एक खतरे की घंटी, जिसे नजर. अंदाज नहीं किया जाना चाहिए. आइए जानते हैं इस बारे में–क्यों है ये चिंता की बात?फिजिकल रिलेशनशिप में दोनों की मर्जी होना बेहद जरूरी है. अगर किसी एक पार्टनर पर दबाव बनाया जा रहा है, तो वो रिश्ता एकतरफा और असंतुलित हो जाता है. ऐसे में फिजिकल होने के लिए प्रेशर डालने की बात को नजरअंदाज न करें.इसके साथ ही अगर आपका पार्टनर कहता है कि, अगर तुम मुझसे प्यार करती हो तो३, या सब कपल्स ऐसा करते हैं, तो ये इमोशनल ब्लैकमेलिंग है. ऐसा व्यवहार स्वस्थ रिश्ते की निशानी नहीं है. कई बार लोग अपने पार्टनर को गिल्टी फील कराते हैं कि वो उनके जरूरतों को नहीं समझते या मना करके उन्हें दुख दे रहे हैं. यह एक तरह की मानसिक प्रताड़ना हो सकती है. इसलिए अपनी अंदर की भावनाओं को पहले समझने की कोशिश करें. रिश्ता सही नहीं होने के ये हैं संकेत बार–बार मना करने के बावजूद दबाव बनाना आपकी भावनाओं की अनदेखी गुस्सा होना या दूरी बना लेना अगर आप ना कहें फिजिकल होने को प्यार का पैमाना बनाना आपकी इच्छा के बिना छूने या सीमा लांघने की कोशिश करनाऐसे रिलेशनशिप में क्या करें? खुद की भावनाओं को प्राथमिकता दें. अगर आप तैयार नहीं हैं, तो यह बिल्कुल ठीक है और इस चीज के लिए न कहना आपका हक है.खुले दिल से बात करें. पार्टनर से अपनी बात साफ शब्दों में कहें और देखें कि वह कैसे रिएक्ट करता है.अपनी सीमा को तय करें, अगर कोई उन्हें बार–बार तोड़ता है, तो रिश्ते पर दोबारा सोचें.अगर आप कंफ्यूज या परेशान हैं, तो किसी भरोसेमंद दोस्त, फैमिली मेंबर या काउंसलर से बात करें.

प्रेमानंद बाबा की इन 3 बातों को बांध लें गांठ तो नहीं खराब होगा रिश्ता

प्रेमानंद से पूछा गया कि हमेशा अपने पार्टनर के बारे में सोचना–बात करना प्रेम हैं? इस पर प्रेमानंद कहते हैं कि प्रेम हमेशा याद करना और बात करना, चिंतन करना नहीं है यह काम वासना है. प्रेम आपको बस उस ढांचे से है. असल में प्रेम में वासना नहीं बल्कि त्याग, भाव प्रेम शब्द सार्थक होता है सच्चिदानंद कहते हैं. प्रेम बिना कामना के होता है. आपकी जानकारी के लिए बता दें कि दुनिया भर में उनके भक्त आमतौर पर प्रेमानंद जी महाराज के नाम से जानते हैं.प्रेमानंद सोशल मीडिया पर काफी ज्यादा फेमस है देश के सबसे लोकप्रिय आध्यात्मिक गुरुओं में से एक हैंय इंस्टाग्राम रील्स से लेकर यूट्यूब शॉर्ट्स तक, प्रेमानंद महाराज के सत्संग के छोटे वीडियो सोशल मीडिया पर बेहद लोकप्रिय हैं. अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर 11.1 मिलियन फॉलोअर्स के विशाल फैनबेस के साथ, प्रेमानंद महाराज दुनिया में सबसे ज्यादा फॉलो किए जाने वाले आध्यात्मिक नेताओं में से एक हैं.प्रेमानंद बाबा कहते हैं कि भग. वान तुम्हें हर स्थिति में प्यार करेंगे. वहीं संसार का प्यार हमेशा झूठा होता है अगर कुछ स्वार्थ की पूर्ति हो रही तब तक तुम्हें प्यार करेगा. जैसे ही स्वार्थ की पूर्ति खत्म वो तुम्हें प्यार करना छोड़ देगा. जो हम छोड़ रहे हैं तो हम उनके लिए रो रहे हैं? क्या ये प्यार है. दरअसल, यह माया का प्रवाह होता है. इसके लिए सबसे अच्छा है आप मेडिटेशन करें. खुद को व्यस्त रखें. खुद के ऊपर ध्यान दें क्योंकि अगर आप दूसरों के पीछे भागेंगे तो आप अपने काम पर फोकस नहीं कर पाएंगे. रिश्ते को सुधारने के लिए इन बातों का रखें ख्याल पति–पत्नी का रिश्ता दो दिलों को जोड़ने वाला रिश्ता होता है. इस रिश्ते में लड़ाई झगड़े, मस्ती मजाक हर चीज होती है. लेकिन कई बार पति–पत्नी के रिश्ते में शक पैदा होने लगता है. किसी भी रिश्ते में शक होना एक बहुत बड़ी समस्या बन जाता है, जिससे रिश्ता कमजोर हो सकता है. ऐसे में अगर आपको भी अपने पति पर शक है या ऐसा लग रहा है कि आपका पति किसी और लड़की में इंटरेस्ट दिखाने लगा है, तो यह खबर आपके लिए है. पति से खुलकर बात करें.अगर आपको अपने पति पर शक हो रहा है, तो आप शांत बैठकर खुद से बात करें. अपने आप से पूछे की आपको क्यों शक हो रहा है. क्या आपके शक का कोई ठोस कारण है? इसके अलावा आप अपने पति से खुलकर बात कर सकती हैं. जो आपके मन में चल रहा है वह आप अपने पति को बता सकती हैं और पता कर सकती हैं की क्या आपका शक सही है या नहीं. कई बार महिलाएं जरूरत से ज्यादा शक करने लगती है लेकिन ऐसा करने से रिश्ता टूट सकता है. ऐसे में आपको अपने पति पर पूरा विश्वास होना चाहिए.

प्रेग्नेंसी में कितना खतरनाक हो सकता है मलेरिया? ऐसे कर सकते हैं बचाव

प्रेग्नेंसी बेहद ही सेंसेटिव समय होता है. इस दौरान महिला के शरीर में कई हामा. नल और इम्यून सिस्टम से जुड़े बदलाव होते हैं, जिससे वो कई बीमारियों की चपेट में जल्दी आ सकती हैं. इन्हीं में से एक खतरनाक बीमारी है मलेरिया. वैसे तो मलेरिया (डंसंतपं) किसी को भी हो सकता है, लेकिन प्रेगनेंट महिलाओं के लिए यह बेहद घातक साबित हो सकता है. इसका मां और बच्चे दोनों पर गंभीर हो सकता है. ऐसे में आइए जानते हैं कि मलेरिया प्रेगनेंसी में कितना खतरनाक हो सकता है और इससे बचने के उपाय क्या हैं...प्रेग्नेंसी में मलेरिया क्यों होता है ज्यादा खत. रनाकगर्भावस्था में शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्यूनिटी) थोड़ी कमजोर हो जाती है. ऐसे में मलेरिया का पैरासाइट शरीर में आसानी से फैल सकता है. इससे कई खत. रनाक बीमारियां हो सकती हैं. यहां तक की मिककैरेज का रिस्क भी रहता है.प्रे प्रेग्नेंसी में मलेरिया होने के खतरे समय से पहले डिलीवरी बच्चे का वजन कम होना गर्भपात या स्टिल बर्थ मां में खून की कमी प्लेसेंटा में संक्रमणसमय पर इलाज न हो, तो मलेरिया जानलेवा भी हो सकता है. प्रेगनेंट महिलाओं में मलेरिया के लक्षण बार–बार बुखार आना–जानाठंड लगना और कंपकंपीसिरदर्दउल्टी या जी मिचलानाथकान और कमजोरीशरीर में दर्दकभी–कभी पीली त्वचा यानी एनीमिया का संकेतप्रेग्नेंसी में मलेरिया से कैसे बचें1. मच्छरों से बचेंसोते समय मच्छरदानी का इस्तेमाल करें. घर में मच्छर भगाने वाले लिक्विड या क्रीम का इस्तेमाल करें. फुल बाजू के कपड़े पहनें और शाम के समय बाहर न निकलें. अगर निकलना पड़े तो सावधानी बरतें.2. घर में सफाई रखेंरूकूलर, गमले, टंकी को साफ रखें. इनमें पानी जमा न होने दें. क्योंकि मच्छरों के प्रजनन वाली जगहें हैं. इन स्थानों पर मच्छर ज्यादा पनपते हैं और खतरनाक बीमारियों को जन्म दे सकते हैं. 3. डॉक्टर की सलाह लेंप्रेगनेंसी के दौरान रेगुलर चेकअप कराएं, मलेरिया प्रिवेंटिव दवाइयों के बारे में डॉक्टर से पूछें. कुछ क्षेत्रों में प्रिवेंटिव ट्रीटमेंट जरूरी होता है, इसलिए लापरवाही न करें. बुखार हो तो सेल्फ मेडिकेशन से बचें और डॉक्टर से ही जांच कराएं.4. मां और बच्चे की सुरक्षा में समझदारी दिखाएं हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार, मलेरिया कोई मामूली बुखार नहीं है खासकर जब बात प्रेगनेंसी की हो गर्भावस्था की हो. इससे बचाव पूरी तरह संभव है, बस थोड़ा ध्यान और सावधानी की जरूरत है. सही समय पर रोकथाम और इलाज से मां और बच्चा दोनों सुरक्षित रह सकते हैं.

पार्टनर के साथ स्पेंड करें क्वालिटी टाइम, इस तरह बनाएं हर पल को खूबसूरत

शादी के बाद कपल्स के बीच कुछ दिन तो बहुत प्यार और मोहब्बत रहती है, लेकिन कुछ दिनों बाद एक दूसरे के साथ कुछ न कुछ गलतफहमी पैदा हो जाती हैं, जिससे रिश्तों में दूरी आने लगती है. कई बार समय ज्यादा होने पर एक दूसरे की कंपनी बोर होने लगती है. ऐसे में आपको अपने दिन की बेहतर प्लानिंग करनी चाहिए. आपको महंगे तोहफे देने की जरूरत नहीं है सिर्फ कुछ बातों को ध्यान में रखते हुए आप अपने पार्टनर को खुश रख सकते हैं. आप घर में एक साथ क्वा. लिटी टाइम स्पेंड करें. एक दूसरे के साथ कुछ अच्छा वक्त गुजारें. इससे आपके रिश्ते में गर्माहट आ जाएगी. आप कुछ इस तरह अपने वीकएंड या फिर किसी भी दिन को खास बना सकते हैं. 1– मिलकर कु. कंग करें– आपको साथ में मिलकर खाना बनाना चाहिए. बाहर से खाना मंगाने की बजाय एक दूसरे की पसंद का खाना बनाएं. इससे एक साथ बातें करते हुए काम भी हो जाएगा और एक दूसरी की पसंद की चीजें भी बन जाएंगी. इससे आप दोनों के रिश्ते में मिठास घुल जाएगी. 2– डांस नाइट्स– आप बाहर डिस्क या पब नहीं जा रहे तो कोई बात नहीं है. आप घर में ही नाइट डांस प्लान कर सकते हैं. अपने पार्टनर के साथ कुछ डांस का प्लान करें. अगर आपके पार्टनर को डांस नहीं आता तो उसे कुछ स्टेप्स सिखाने की कोशिश करें. इससे लाइफ में फन और मस्ती बढ़ेगी.3– गेम्स खेलें– छुट्टी वाले दिन आपको अपने पार्टनर के साथ कोई इंडोर या आउटडोर गेम का प्लान करना चाहिए. आप बाहर खेलने नहीं जा रहे हैं तो घर में चेस, लूडो या फिर कैरम खेल सकते हैं. इससे आपको खुशी मिलेगी और बेहत. रीन टाइम स्पेंड करने के मिलेगा. 4– चाय के साथ गपशप– अगर आप पूरे वीक बिजी रहते हैं और पार्टनर के साथ समय बिताने का वक्त नहीं मिल पाता है, तो घर में चाय की चुस्की के साथ थोड़ी गपशप करें. हां इस दौरान ध्यान रखें कि अपनी बात ही नहीं कहते रहें अपने पार्टनर की भी सुनें. एक दूसरे साथ थोड़ी हल्की बातें करें और हंसी–मजाक के साथ टाइम स्पेंड करें.

गर्मियों में ब्रेस्ट में आता है पसीना तो ये ब्रा हैक्स करेंगे आपकी मदद

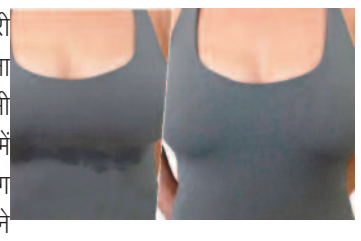

गर्मियों का मौसम अपने साथ कई सारी परेशानियां लेकर आता है। जिन्हें पसीना ज्यादा आता है उनके लिए तो ये मौसम किसी बड़ी परेशानी से कम नहीं है। पूरे शरीर में पसीने की समस्या के साथ–साथ ब्रेस्ट स्वेटिंग की प्रॉब्लम भी बड़ी समस्या बनकर सामने आती है। इसी के साथ, तन की दुर्गंध और एसी में जाने के कारण बहुत ठंड भी लगने लगती है। ब्रेस्ट की स्वेटिंग भी नॉर्मल है और ये समस्या महिलाओं और पुरुषों दोनों को ही होती है। एक तरह से देखा जाए तो गर्मियों में पीठ और ब्रेस्ट के आस–पास आने वाला पसीना आपके शरीर को ठंडा रखने में बहुत सहायक होता है। पसीना आने के बाद आप इसे कैसे डील करें और क्या ऐसा कोई तरीका है जिससे ब्रेस्ट स्वेट को कम किया जा सकता है इसके बारे में हम आज आपको बताते हैं। ब्रा चुनते वक्त रखें इन बातों का ध्यान–ब्रा चुनते समय आपको ये ध्यान रखना है कि इस मौसम में फैंसी प्रोडक्ट्स नहीं बल्कि नेचुरल फैब्रिक्स पहनने होंगे।सिंथेटिक ब्रा से थोड़े दिनों के लिए दूर रखें।पॉलिएस्टर और रेयॉन खासतौर पर आपको परेशान कर सकते हैं।कॉटन की ब्रा इस दौरान बेस्ट होगी।अगर आप पैडेड ब्रा पहनती हैं तो भी आप कॉटन मिक्स विदाउट वायर ब्रा लेने की कोशिश करें।अंडरवायर ब्रा इस मौसम में परेशानी पैदा कर सकती है। कुछ ब्रा पहले से ही कूलिंग लाइनर के साथ आती हैं। ब्रा पहनने के साथ–साथ ये बहुत जरूरी है कि शरीर का ऊपरी हिस्सा सांस ले पाए। सही ब्रा पहनने के साथ–साथ टॉप में ऐसा फैब्रिक चुनें जो आपकी अपर बॉडी को बिल्कुल भी परेशान न करे। अगर आप बाहर से आ रही हैं तो यकीनन पसीना ज्यादा आया होगा। ऐसे समय में पेपर टॉवल बहुत ही अच्छा उपाय हो सकते हैं। आप वॉशरूम में जाकर पेपर टॉवल से अपने ब्रेस्ट एरिया को साफ करें और अगर पसीने की समस्या ज्यादा होती है और पैंटी लाइनर नहीं हैं तो ब्रा के साथ थोड़ी देर के लिए पेपर टॉवल लगा लें। ये कुछ हद तक तो दुर्गंध और पसीने को रोक पाएगा। हालांकि, शायद आपको पता न हो, लेकिन ब्रेस्ट लोशन भी मार्केट में मिलते हैं जो इस तरह की समस्या से बचा सकते हैं। आप पिट–क्रीम भी ले सकती हैं जो पसीना रोकने के लिए बनाई जाती है। ब्रा पहनने से पहले इसे लगाएं और दो मिनट एब्जॉर्ब होने का समय दें। ब्रा में छिड़कें कॉर्न स्टार्च–ये पसीना सोखने के लिए बहुत ही अच्छा तरीका साबित हो सकता है। इसलिए बेहतर होगा कि आप कॉर्न स्टार्च को ब्रा में छिड़कें। ये बहुत ज्यादा नहीं चाहिए इसलिए थोड़ा–थोड़ा ही इस्तेमाल करें।

गर्मियों की शुरुआत हो चुकी है और बहुत से लोगों ने कॉटन कपड़े पहनना शुरू

गर्मियों की शुरुआत हो चुकी है और बहुत से लोगों ने कॉटन कपड़े पहनना शुरू कर दिया है। गर्मियों में कॉटन या कहें कि सूती कुड़े पहनने की एक बड़ी वजह है इसका एक बेहतरीन ऑब्जर्वर होना। यानी कि कॉटन के रेशे, पानी और पसीने को आसानी से अवशोषित कर सकते हैं स्किन को हेल्दी रख सकते हैं। साथ ही ये हल्के और आरामदेह होते हैं और गर्मियों में तेज धूप और गर्मी को सहन करने में मदद करते हैं। इतना ही नहीं इन्हें पहनना शरीर को घमौरियों और त्वचा से जुड़ी समस्याओं से भी बचाता है। पर इन सबके लिए जरूरी है कि आप सिर्फ प्योर कॉटन ही पहनें। आइए, जानते हैं इसकी पहचान कैसे करें।कैसे करें प्योर कॉटन की पहचान–चमकते नहीं हैं प्योर कॉटनअगर आप कोई भी कॉटन की साड़ी या सूट खरीदना चाहते हैं तो आपको सबसे पहले ये देखना होगा कि ये चमकदार न हो और इसका कपड़ा सही हो। इसके अलावा जब आप इसे देखें तो अंदर से बाहर तक सबकुछ नजर आए। इसके अलावा भी ये कपड़ा हाथ से मोड़ने पर आराम से हाथ में आ जाए और इसमें सिलवटें आराम से नजर आने लगे।2. एक–एक सूत नजर आ जाएंगे कॉटन कपड़े की खास बात ये है कि इसका एक–एक सूत आपको नजर आने लगेगा। आप इसे देखकर समझ लेंगे कि ये कितना आरामदेह है। साथ ही इन कपड़ों की खासियत ये होती है कि ये नाजुक तरीके से बुने हुए नजर आते हैं। 3. पानी डालते ही ये सब सोख लेगा अगर आपको प्योर कॉटन की पहचान करनी है तो आपको कपड़ों में एक बार पानी डालकर देखना चाहिए। ये पूरी तरह से पानी को सोख लेगा और आप समझ जाएंगे कि ये कपड़ा कितना आरामदेह है। तो, बस जब भी कॉटन के कपड़ों को खरीदें तो इन बातों को ध्यान में रखें। इससे होगा कि आप इन्हें खरीदने के बाद दुखी नहीं होंगे कि कहीं आपके साथ ठगी तो नहीं हुई।

गुलाब जल लगाने का सबसे नया और आसान तरीका, गर्मियों में तुरंत मिलेगी ठंडक, बढ़ने लगेगा चेहरे का निखार

गर्मियों में त्वचा को ठंडा बनाने के लिए गुलाब जल का इस्तेमाल जरूर करना चाहिए। आज हम आपको गुलाब जल लगाने का सबसे नया और आसान तरीका बता रहे हैं। जिससे आपकी त्वचा का निखार बढ़ जाएगा। तेज धूप में निकलते ही चेहरा मुरझाने लगता है। गर्मियों में स्किन केयर रुटीन में गुलाब जल जरूर शामिल करें। रोजाना चेहरे पर गुलाब जल लगाने से निखार आएगा और त्वचा को ठंडक मिलेगी। हालांकि गुलाब जल लगाना कुछ लोगों को झंझट का काम लगता है। इसलिए हम आपको गर्मियों में गुलाब जल लगाने का आसान तरीका बता रहे हैं। इससे बिना किसी झंझट के आप चेहरे पर जुलाब जल की मसाज कर सकते हैं। इस तरह गुलाब जल लगाने से चेहरे पर निखार लौट आएगा। धूप और टैनिंग से बचाने में भी मदद करेगा। जानिए गर्मियों में त्वचा पर कैसे लगाएं गुलाब जल? 1– गुलाब जल लगाने का सबसे आसान और नया तरीका है, कि आप गुलाब जल को किसी आइस ट्रे या आ. इसक्रीम ट्रे में भर लें। अब इसे फ्रीजर में जमा लें। गुलाब जल से जमी आइस को किसी जिप लॉक या एयर टाइट कंटेनर में भर लें। 2 अब जब भी आप कहीं बाहर से आएं तो मेकअप हटाकर फेस को क्लीन कर लें। अब एक गुलाब जल आइस क्यूब लें और उसे अपने चेहरे पर लगाते हुए मसाज करें। आइस के रूप में गुलाब जल लगाने से आपको कहीं ज्यादा फायदे मिलेंगे। इससे स्किन को कूलिंग तो मिलेगी साथ ही चेहरे की कई समस्याएं भी कम हो जाएंगी।3 मेकअप करने से पहले आइस की मसाज की जाती है। आप उस वक्त भी इन गुलाबजल क्यूब्स का इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे फेस पर मेकअप अच्छी तरह और लंबे समय तक स्टे करेगा।4. गुलाबजल लगाने से चेहरे पर नमी बरक. रार रहेगी। धूप और गर्मी का असर भी कम होगा। गर्मियों में स्किन टैन हो जाती है और चेहरा लाल हो जाता है। गुलाब जल लगाने से इसमें आराम मिलेगा और आप ग्लो करने लगेंगे। 5.ठंडी बर्फ के रूप में गुलाब जल लगाने से मुंहासे की समस्या भी काफी कम हो जाती है। इसलिए चेहरे पर गुलाब जल से तैयार बर्फ की मसाज करें। इससे स्किन का एक्स्ट्रा ऑयल निकल जाता है और निशान भी कम होने लगेंगे।

कासगंज में गैंगरेप, मंगेतर के साथ घूमने गई थी युवती.बंधक बनाकर की हैवानियत

कासगंज,: तीन दिन पूर्व अपने मंगेतर के साथ झाल के पुल पर घूमने आई युवती से सामूहिक गैंगरेप किया। उसके मंगेतर को बंधक बनाकर मारपीट की और रुपये लूटे लिए। दो दिन तक डरी सहमी युवती ने घटना की जानकारी पुलिस को दी।पु. लिस ने आठ आरोपियों के खिलाफ मुक. दमा दर्ज कर पांच लोगों को हिरासत में लिया है। गिरफ्तार युवक के मोबाइल से मंगतेर के सामने युवती के कपड़े उतरवाते हुए भी अश्लीलता के वीडियो भी मिले हैं। पुलिस युवती का चिकित्सीय परीक्षण कराकर कार्रवाई में जुटी हुई है।शुक्रवार की चार बजे के लगभग एक युवती मंगेतर के साथ पिकनिक प्वाइंट झाल के पुल पर घूमने आई थी। घूमने के बाद दोनों एकांत में बैठे हुए थे। तभी आठ लोग आए और उन्होंने दोनों पर फब्तियां और अश्लील कमेंट करना शुरू कर दिए। बाद में उसके मंगेतर को पकड़ कर मारपीट करने लगे। कुछ लोग युवती को पकड़ कर सुनसान जगह पर ले गए। जहां युवती के साथ आठों ने बारी–बारी से सामूहिक दुष्कर्म किया। दो घंटे बाद छूटी युवती और युवक दोनों घर चले गए। डर के खौफ से दोनों भयभीत हो गए। घटना की जानकारी छिपाने लगे। युवती की तबीयत खराब हो गई। डरी सहमी युवती ने खुद पर बीती घटना की जानकारी परिजनों को दी। परिजन युवती को लेकर घटना स्थल पर पहुंचे।जहां 112 पर कॉल कर पुलिस को जानकारी दी। मामला गैंगरेप का होने के चलते कोतवाल लोकेश भाटी, सीओ आंचल चौहान भी पहुंचीं। युवती और उसके मंगेतर से जानकारी की। हरकत में आई पुलिस ने आठ युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। पांच लोगों को हिरासत में ले लिया है। पुलिस ने युवती का चिकित्सीय परीक्षण कराया है।आरोपियों के मोबाइल में निकले अश्लील वीडियो आरोपियों ने मंगेतर को बंधक ही नहीं बनाया था, बल्कि उसके साथ मारपीट और नकदी भी लूट ली। वहीं युवकों ने मंगेतर के सामने भी युवती के कपड़े उतारे और अश्लील वीडियो भी बनाई , जोकि आरोपियों के मोबाइल से पुलिस को मिली है।पुलिस ने पांच आरोपी किया गिरफ्तार, एक भाजपा के जनप्रतिनिधि का खासइस दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने आठ युवकों के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज किया है। जिसमें पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। जिसमें एक युवक भाजपा के जनप्रतिनिधि का करीबी है। उसका नाम एपीएस बताया जा रहा है। जिसके खिलाफ सदर कोतवाली में विभिन्न मामले दर्ज हैं।थाना कोतवाली कासगंज की एक घटना सामने आई है। मंगेतर के साथ एक युवती झाल के पुल पर घूमने आई थी। वह अपने मंगेतर के साथ खेत में बैठी थी। उसके साथ बालात्कार किया है। इस मामले में त्वरित आठ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर पांच लोगों को हिरासत में लिया गया है। कठोर कार्रवाई की जा रही है

एटा जिले के जैथरा कस्बे में 14 वर्षीय किशोर की मौत

एटा जिले के जैथरा कस्बे में 14 वर्षीय किशोर की मौत हो गई। नेहरूनगर जैथरा निवासी रजत पुत्र धर्मेंद्र सुबह साइकिल से दूध लेने जा रहा था। इसी दौरान सामने से आ रही तेज रफ्तार रोडवेज बस ने उसे टक्कर मार दी।हादसे में गंभीर रूप से घायल रजत को आसपास के लोग जैथरा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही जैथरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और परिजनों को सूचित किया।हादसे के बाद बस चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने रोडवेज बस और कंडक्टर को हिरासत में ले लिया है। जैथरा थाना प्रभारी शंभू नाथ ने बताया कि मृतक के शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया गया है। घटना के बाद मृतक के घर में मातम छा गया है। परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

एटा जिले की कोतवाली नगर थाना पुलिस ने एक गंभीर मामले का खुलासा किया

एटा जिले की कोतवाली नगर थाना पुलिस ने एक गंभीर मामले का खुलासा किया है। शिवसिंहपुर मोड़ के पास तालाब किनारे मिले एक युवक के शव की पहचान अशोक कुमार के रूप में हुई है। अशोक कासगंज जिले के नगला मोती का रहने वाला था।पुलिस जांच में सामने आया कि अशोक पिछले तीन साल से अपने ममेरे भाई अवधेश कुमार के घर में रह रहा था। वह वहां ट्रैक्टर चलाने का काम करता था। लंबे समय तक एक ही घर में रहने के दौरान अशोक का अवधेश की पत्नी से अवैध संबंध बन गया।जब अवधेश को इन संबंधों की जानकारी मिली, तो घर में अक्सर विवाद होने लगा। मंगलवार को दोनों के बीच मारपीट हुई। अवधेश ने अशोक को घर छोड़ने को कह दिया। इससे व्यथित होकर अशोक ने बुधवार सुबह अवधेश के घर में ही मफलर से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।अवधेश की पत्नी ने शव को फंदे से उतारकर घर में छिपा दिया। रात में दोनों ने मिलकर शव को टेंपो में रखा और गंजडुंडवारा रोड स्थित अशोक विहार कॉलोनी के पास तालाब किनारे फेंक दिया। पुलिस ने आरोपी पति–पत्नी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। घटना में प्रयुक्त ऑटो, मृतक का मोबाइल और फांसी लगाने में इस्तेमाल किया गया मफलर भी बरामद कर लिया गया है।

एटा में संविधान निर्माता बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की जन्म जयंती की तैयारियां शुरू

एटा में संविधान निर्माता बाबा साहब भीम. राव अंबेडकर की जन्म जयंती की तैयारियां शुरू हो गई हैं। जिलाधिकारी प्रेमरंजन सिंह ने कचहरी रोड स्थित अंबेडकर पार्क में श्रमदान किया। उन्होंने अधिकारियों के साथ पार्क की साफ–सफाई की और व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।बाबा साहब की जयंती मनाने की अपील कीजिलाधिकारी ने सभी तहसील क्षेत्रों के अधिकारियों को अंबेडकर पार्क और अन्य स्थलों की साफ–सफाई कराने के निर्देश दिए। उन्होंने बैठक में 14 अप्रैल को होने वाले कार्यक्रमों की तैयारियों पर चर्चा की। जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की मौजूदगी में बाबा साहब की जयंती मनाने की अपील की।डीएम ने निर्देश दिए कि जयंती पर सभी अधिकारी, कर्मचारी और स्थानीय जनप्रतिनिधि बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी डॉ. नागेंद्र नारायण मिश्रा, एडीएम राजस्व ललिता प्रसाद, आबकारी अधिकारी अनूप शर्मा, डॉ. अनिल कुमार सिंह, पालिका अध्यक्ष श्रीमती सुधा गुप्ता, पंकज चौहान एडवोकेट सहित अन्य अधिकारी और पा. लिका कर्मचारी मौजूद रहे।

भाजपा विधायक वीरेंद्र सिंह लोधी ने केंद्र और राज्य सरकार की उपलब्धियों को जन–जन तक पहुंचाने के लिए बाइक रैली निकाली

एटा के मारहरा विधानसभा क्षेत्र में भाजपा विधायक वीरेंद्र सिंह लोधी ने केंद्र और राज्य सरकार की उपलब्धियों को जन–जन तक पहुंचाने के लिए बाइक रैली निकाली। यह रैली मोदी सरकार के 11 वर्ष और योगी सरकार के 8 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित की गई।विधायक लोधी ने मरथरा गांव से रैली का शुभारंभ किया। रैली मिरहची कस्बे होते हुए मारहरा तक पहुंची। सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता भगवा झंडे लेकर नारेबाजी करते हुए रैली में शामिल हुए।रैली के दौरान विधायक ने सरकार की प्रमुख कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। इनमें जनधन योजना, कन्या सुमंगला योजना, आयुष्मान योजना, अभ्युदय योजना, ग्राम उद्यमी योजना और उज्जवला योजना शामिल हैं। साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना और कन्या विवाह योजना के बारे में भी बताया।विधायक ने कहा कि मोदी और योगी सरकार ने सुशासन और सुरक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण काम किए हैं। उन्होंने बताया कि इन योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचे, इसलिए जन जागरण अभियान चलाया जा रहा है।

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा ने मनाई राणा सांगा जयंती

कासगंज संवावदाता इंद्रपाल राजपूत

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा कासगंज द्वारा वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ठा. अशोक सिसोदिया के आवास पर आयोजित राणा सांगा जयंती पर विचार गोष्ठी में महान शूरवीर योद्दा के जीवन पर प्रकाश डाला गया। गोष्ठी का शुभारंभ राणा सांगा के चित्र पर माल्यार्पण व पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।गोष्ठी की अध्यक्षता ब्लॉक अध्यक्ष कासगंज अमर सिंह चौहान व संचालन युवा मंडल अध्यक्ष सुखवीर सिंह पुंढीर एडवोकेट ने किया। गोष्ठी को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष ठा. संजीव सिंह यदुवंशी डीजीसी क्राइम ने कहा कि हिन्दू धर्म संस्कृति व भारत माता की रक्षा के लिए अनेक क्षत्रिय योद्धाओं ने अपना त्याग व बलिदान किया है। मेवाड़ नरेश राणा संग्राम सिंह उर्फ राणा सांगा उनमें से एक महान शूरवीर योद्दा हैं जिन्होंने अनेक क्षत्रिय राजपूत रा. जाओं को संगठित कर अनेक युद्ध लड़े और भारत की पवित्र भूमि व हिंदू धर्मावल. बियों की रक्षा की। राणा सांगा जैसे योद्धाओं की बदौलत ही आज हम अपने मंदिरों में भगवान का पूजा अर्चना कर पा रहे हैं। देश व समाज राणा सांगा का सदैव ऋणी रहेगा वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ठा. अशोक सिसोदिया ने कहा कि राणा सांगा अपनी आंख व एक बाजू खोने के बावजूद भी युद्ध में हार नहीं मानी। इब्राहिम लोदी के चाचा व उसके मातहत दौलत खान ने गद्दारी कर बावर को बुलाया किंतु राणा सांगा ने बाबर से युद्ध कर उसके छक्के छुड़ाए। राणा सांगा ने घायल होने पर भी मालवा, बयाना व खानवा जैसे महत्वपूर्ण युद्ध लड़े। राणा सांगा के लिए कहा जाता है सौ सौ घाव लगे थे तन में फिर भी आह नहीं थी मन में। हमें राणा सांगा के जीवन से संघर्ष व विजय की प्रेरणा लेनी चाहिए।

कासगंजः तेज रफ्तार कैंटर ने बाइक सवार चाचा–भतीजे को मारी टक्कर, एक की मौत.दूसरा रेफर

कासगंज :संवावदाता इंद्रपाल राजपूत

थाना सिढ़पुरा क्षेत्र के एटा रोड पर तेज रफ्तार कैंटर ने बाइक सवार चाचा–भतीजे को रौंद दिया। दोनों घायलों को सिढ़पुरा सीएचसी में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों ने भतीजे को मृत घोषित कर दिया, जबकि चाचा को गंभीर हालत में बेहतर उपचार के लिए हायर सेंटर भेजा गया है। पुलिस ने वाहन को कब्जे में लेकर चालक की तलाश शुरू कर दी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। घटना को लेकर मृतक के परिवार में को. हराम मचा हुआ है सुनगढ़ी थाना क्षेत्र के गांव रारा फतेहपुर निवासी 26 वर्षीय तिलक सिंह पुत्र नाथूराम अपने 37 वर्षीय चाचा राजेंद्र पुत्र मोहनलाल के साथ शनिवार की शाम दावत खाने के लिए सिढ़पुरा क्षेत्र के गांव जलीलपुर गया था। दावत खाकर वे घर लौट रहे थे, तभी साक्षी महाराज कॉलेज के समीप सिढ़पुरा की ओर से आ रही तेज रफ्तार कैंटर ने बाइक में टक्कर मार दी, जिससे दोनों लोग घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस दोनों घायलों को एंबुलेंस की मदद से सिढ़पुरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंची।जहां चिकित्सकों ने तिलक सिंह को मृत घोषित कर दिया। राजेंद्र को प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में बेहतर चिकित्सा के लिए हायर सेंटर भेजा गया है। सिढ़पुरा थाना प्रभारी दिनेश चंद्र ने बताया कि कैंटर पुलिस की हिरासत में है। चालक मौके से फरार हो गया है। परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है। चालक को जल्द गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

अमांपुर में मच्छरों से निजात को कराई फॉगिग

कासगंज। संवावदाता इंद्रपाल राजपूत

अमांपुर कस्बे में संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत मच्छर जनित बीमारियों को लेकर कस्बा में मच्छरों से बचाव के लिए शुक्रवार की शाम को मच्छरों के खात्मे को नगर पंचायत की टीम ने कस्बा में फॉगिग कराई है। नगर में फैले मक्खी मच्छर के प्रकोप को देखते हुए चेयरमेन चांद अली खान एवं ईओ विनय कुमार शुक्ला के निर्देशानुसार चलाए गए अभियान के तहत नगर के बाजारों में फॉगिग कराई गई। उन्होंने नगर वासियों से भी अपने आसपास सफाई किए जाने के साथ नगर को भी साफ सुथरा रखने में नगर पंचायत कर्मियों का सहयोग किए जाने की अपील की है। इस दौरान लिपिक गोपाल कृष्ण शर्मा, मुकेश बाबू, सफाई निरीक्षक चरन सिंह यादव, ओमकार यादव, सफाई नायक दिनेश कुमार, महाराज सिंह, हिमाचल, सुनील कुमार, मनोज कुमार, नीरज कुमार, अनिल कुमार, विकास आदि मौजूद रहे।

एटा के अवागढ़ थाना क्षेत्र में जिनावली गांव के पास एक विवाद आया सामने

एटा के अवागढ़ थाना क्षेत्र में जिनावली गांव के पास एक विवाद सामने आया। फिरोजाबाद बॉर्डर पर घुमंतू प्रजाति के मुस्लिम बंजारा समाज के लोगों ने डेरा डाल दिया।सुबह जब ग्रामीणों को इसकी जानकारी मिली, तो उन्होंने इसका विरोध किया। ग्रामीणों ने डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों से बात की।जिनावली गांव के निवासी नरेंद्र पाल सिंह ने बताया कि यह स्थान उनके गांव के बच्चों के खेलने का मैदान है। यहां पशु भी चरते हैं और महिलाएं काम करने आती हैं। उन्होंने आशंका जताई कि यह लोग अवैध कब्जा करना चाहते हैं।मामले की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय हिंदू संगठन के लोग भी मौके पर पहुंच गए। उन्होंने भी ग्रामीणों का समर्थन करते हुए घुमंतू समुदाय को हटाने की मांग की।थाना प्रभारी अवागढ़ कपिल कुमार ने बताया कि पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए घुमंतू प्रजाति के लोगों को वहां से हटा दिया है। स्थिति अब नियंत्रण में है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत

कासगंज। शहर कोतवाली क्षेत्र के चांडी रोड पर नीवरी गांव के समीप शुक्रवार की रात अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल हुए बाइक सवार को जिला अस्पताल में चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में ले लिया है और शिनाख्त के प्रयास शुरू कर दिए हैं। पुलिस के मुताबिक शुक्रवार की देर रात नींवरी गांव के समीप सड़क दुर्घटना की जानकारी मिली। सूचना के बाद कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने घटना स्थल पर घायल मिले युवक को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। उसकी क्षतिग्रस्त बाइक भी पुलिस ने कब्जे में ले ली। जिला अस्पताल में चिकित्सकों ने घायल को मृत घोषित कर दिया। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम गृह पर रखवा दिया। इंस्पेक्टर लोकेश भाटी ने बताया कि मृतक की शिनाख्त के प्रयास जारी हैं। अभी तक मृतक के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल सकी है। शिनाख्त होने के बाद ही मृतक का पोस्टमार्टम कराया जाएगा।